श्रीदेव सुमन उत्तराखण्ड़ विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल, टिहरी गढ़वाल।

बी0ए0 हिन्दी पाठ्यक्रम
(सेमेस्टर प्रणाली के तहत)
पाठ्यक्रम की संरचना

स्नातक स्तर पर बी0ए0 में हिन्दी विषय किन्ही दो अन्य विषयों के संयोजन के रूप में लिया जा सकता है। प्रत्येक वर्ष में दो सेमेस्टर होंगे और प्रत्येक सेमेस्टर में हिन्दी विषय के दो प्रश्न–पत्र होंगे। इस प्रकार जो छात्र बी0ए0 हिन्दी विषय लेगा उसे कुल 06 सेमेस्टर में हिन्दी विषय के 12 कोर प्रश्न–पत्र उत्तीर्ण करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र चार इकाइयों में बटां है।

हिन्दी विषय का पाठ्यक्रम 6 सेमेस्टर के लिए निम्नवत है –

बी0ए0 (हिन्दी)
प्रथम वर्ष (प्रथम सेमेस्टर)

क्र0सं0	प्रश्न–पत्र का नाम	कुल अंक	परीक्षा का समय	सत्रांत परीक्षा के अंक	आंतरिक सत्रीय परीक्षा के अंक	कुल अंक
01	हिन्दी भाषा का उद्‌भव विकास एवं लिपि	100	02 घंटा	80	20	100
02	साहित्य का स्वरूप एवं साहित्य विधाऐं	100	02 घंटा	80	20	100

प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)

क्र0सं0	प्रश्न–पत्र का नाम	कुल अंक	परीक्षा का समय	सत्रांत परीक्षा के अंक	आंतरिक सत्रीय परीक्षा के अंक	कुल अंक
01	काव्यांग परिचय	100	02 घंटा	80	20	100
02	हिन्दी कविता (आदिकाल से रीतिकाल तक)	100	02 घंटा	80	20	100

द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर)

क्र0सं0	प्रश्न–पत्र का नाम	कुल अंक	परीक्षा का समय	सत्रांत परीक्षा के अंक	आंतरिक सत्रीय परीक्षा के अंक	कुल अंक
01	आधुनिक हिन्दी कविता	100	02 घंटा	80	20	100
02	हिन्दी उपन्यास साहित्य	100	02 घंटा	80	20	100

द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर)

क्र0सं0	प्रश्न–पत्र का नाम	कुल अंक	परीक्षा का समय	सत्रांत परीक्षा के अंक	आंतरिक सत्रीय परीक्षा के अंक	कुल अंक
01	हिन्दी नाटक एवं एकांकी	100	02 घंटा	80	20	100
02	हिन्दी निबन्ध एवं अन्य स्फुट गद्य विधाऐं	100	02 घंटा	80	20	100

तृतीय वर्ष (पंचम सेमेस्टर)

क्र0सं0	प्रश्न–पत्र का नाम	कुल अंक	परीक्षा का समय	सत्रांत परीक्षा के अंक	आंतरिक सत्रीय परीक्षा के अंक	कुल अंक
01	हिन्दी कहानी साहित्य	100	02 घंटा	80	20	100
02	प्रयोजन मूलक हिन्दी	100	02 घंटा	80	20	100

तृतीय वर्ष (षष्ठ्म सेमेस्टर)

क्र0सं0	प्रश्न–पत्र का नाम	कुल अंक	परीक्षा का समय	सत्रांत परीक्षा के अंक	आंतरिक सत्रीय परीक्षा के अंक	कुल अंक
01	जनपदीय साहित्य (गढ़वाली और कुमांउनी) अथवा अस्मिता मूलक विमर्श	100	02 घंटा	80	20	100
02	लोक साहित्य (पहाड़ी लोक साहित्य के सन्दर्भ में) अथवा हिन्दी व्याकरण	100	02 घंटा	80	20	100

परीक्षा/मूल्यांकन की संरचना

प्रत्येक सेमेस्टर में मूल्यांकन/परीक्षा के दो प्रकार होंगे –

1. सत्रांत (End Semester) परीक्षा प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में होगी और 80 अंको की होगी।
2. आंतरिक सत्रीय परीक्षा/मूल्यांकन (Internal Assesment Test)सत्रांत परीक्षा से पूर्व विभाग द्वारा ली जाऐगी, जो कि 20 अंको की होगी। आंतरिक मूल्यांकन छात्र/छात्रा की कक्षा में उपस्थिति, लिखित परीक्षा, कक्षा में सेमिनार, असाइनमेंट, ट्यूटोरियल आदि पर आधारित होगी।

3. प्रश्न–पत्र में अंको का वर्गीकरण निम्न प्रकार से होगा।

चार में से दो व्याख्यायें 10×2= 20

पांच लघुउत्तरीय प्रश्न 5×5= 25

दो दीर्घउत्तरीय प्रश्न 10×2= 20

बहुविकल्पीय/अतिलघुउत्तरीय प्रश्न 10×1*1/2= 15

योग = 80 अंक

नोट :– विद्यार्थी को सत्रांत परीक्षा और आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में पास होने के लिए अलग–अलग 40% अंक प्राप्त करने होंगे।

बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र :– हिन्दी भाषा का उद्‌भव विकास एवं लिपि

इकाई 01 –

- भारोपीय भाषा परिवार (संस्कृत, पालि, प्राकृत अपभ्रंश आदि)
- हिन्दी शब्द का आशय एवं प्रयोग
- हिन्दी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिक काल)

इकाई 02 –

- हिन्दी भाषा का क्षेत्र (भारत एवं भारतेत्तर क्षेत्र)
- हिन्दी की प्रमुख बोलियां एवं क्षेत्र

इकाई 03 –

- भाषा और लिपि का सम्बन्ध
- लिपि की परिभाषा, स्वरूप एवं आवश्यकता

इकाई 04 –

- देवनागरी लिपि का विकास
- देवनागरी लिपि की शक्ति एवं सीमाएं

सन्दर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
3. लिपि की कहानी – गुणाकर मुले
4. हिन्दी भाषा – हरदेव बाहरी
5. हिन्दी भाषा अतीत से आज तक – विजय अग्रवाल

बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र – साहित्य का स्वरूप एवं साहित्य विधाऐं

इकाई 01 –

- साहित्य का स्वरूप, गद्य और पद्य, भेद – श्रव्य एवं दृश्य काव्य

इकाई 02 –

- कविता का स्वरूप, काव्य भाषा, काव्य के रूप – प्रबंध, मुक्तक, प्रगीत, लम्बी कविता आदि।

इकाई 03 – हिन्दी गद्य विधाऐं (सामान्य परिचय एवं उनके तत्व)

- उपन्यास, कहानी, नाटक।

इकाई 04 –

- निबन्ध, आलोचना
- रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, डायरी, रिपोर्ताज, यात्रा वृतांत आदि।

सन्दर्भ ग्रंथ –

1. साहित्य सहचर – हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. साहित्य का स्वरूप – नित्यानंद तिवारी (एन0सी0आर0टी0)
3. साहित्य विधाऐं – शशिभूषण सिंघल (आधुनिक प्रकाशन दिल्ली)

बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र :– काव्यांग परिचय

इकाई 01 –

- रस परिचय, रस के अंग व भेद (लक्षण– उदाहरण सहित)

इकाई 02 – अलंकार परिचय

- शब्दालंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति
- अर्थालंकार – उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, संदेह, प्रतीप, व्यतिरेक, दृष्टांत, निदर्शना, विरोधाभाष, समासोक्ति, अन्योक्ति, अतिशयोक्ति और विभावना।

इकाई 03 – छंद परिचय

- वर्णिक छंद – भुजंगप्रयात, इन्द्रवज्रा, वंशस्थ, बसन्ततिलका, द्रुतविलम्बित, सवैया।
- मात्रिक छंद – चौपाई, दोहा, सोरठा, रोला, उल्लाला, हरिगीतिका, कुण्डलिया, छप्पय, घनाक्षरी।

इकाई 04 – शब्द शक्ति परिचय

- अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

इस प्रश्न–पत्र के लिए पाठ्य पुस्तक के रूप में 'काव्यांग परिचय' सं0 डॉ0 संजीब सिंह नेगी एवं डॉ0 सविता मोहन की पुस्तक रहेगी।

सन्दर्भ ग्रंथ –

1. काव्यांग परिचय – मानवेन्द्र पाठक
2. काव्य के तत्व – देवेन्द्र नाथ शर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. रस, छंद, अलंकार – केशव दत्त रूबाली, अल्मोडा बुक डिपो
4. अलंकार पारिजात – नरोत्तम दास स्वामी
5. शब्द शक्ति, रस एवं अलंकार – ताराचंद शर्मा

बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र :– हिन्दी कविता (आदिकाल से रीतिकाल तक)

इकाई 01 – आदिकालीन कविता

- पृथ्वीराज रासो (पदमावती समय) प्रारम्भ के पांच पद
- अमीर खुसरो – जेहाल मिस्कीं मकुन तगाफुल......... खुसरो दरिया प्रेम का.................. खुसरो रैन सुहाग की................

इकाई 02 –

- कबीर ग्रन्थावली – सम्पादक– रामकिशोर वर्मा
  गुरूदेव को अंग– दोहा सं0 3,6,8। सुमिरण को अंग– 9,23। विरह को अंग – 1,3,6। परचा को अंग – 3,4,7। पद सं0 – 1,2,11,16
- जायसी – पदमावत (मानसरोदक खण्ड़)

इकाई 03 –

- सूरदास (भ्रमरगीत सार, सम्पादक– रामचन्द्र शुक्ल) पद सं0– 6,7,13,23,25,36,42,52,75,77।
- तुलसीदास कवितावली

1. अवधेश के द्वारे सकारे गई.......... }
2. कबहुं ससि मांगत................ } बालकांड
3. दूलह श्री रघुनाथ बने................. }
4. पुर ते निकसी रघुवीर वधु.................. }
5. जल को गये लक्खन.................. } अयोध्या कांड
6. बालधी विसाल विकराल........................... }
7. हाट–बाट, कोट–कोट.................... } सुन्दर कांड
8. दानव देव अहीस–महीस............................ }
9. खेती न किसान....................... } उत्तरकांड (कलियुग वर्णन)
10. लोक–परलोक रघुनाथ ही के हाथ सब........................... }

इकाई 04 – रीतिकालीन कविता

- बिहारी, बिहारी रत्नाकर – सम्पादक – जगन्नाथ दास रत्नाकर। दोहा सं0 – 1,2,5,13,22,32।
- भूषण – 1. इन्द्र जिमि जम्भ पर............... 2. साजि चतुरंग सेन............ 3. उंचे घोर मंदर के अंदर.............

सहायक ग्रंथ –

1. पृथ्वीराज रासो – डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
2. त्रिवेणी – रामचन्द्र शुक्ल, ना0प्र0 सभा काशी।
3. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
4. जायसी – विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी एकेडमी इलाहाबाद।
5. रीति काव्य की भूमिका – डॉ0 नगेन्द्र
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) – पूरन चंद टंडन।

बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र :– आधुनिक हिन्दी कविता

इकाई 01 – आधुनिक हिन्दी कविता का प्रवृतिगत इतिहास

- इस प्रश्न–पत्र के लिए पाठ्य पुस्तक के रूप में सं0 डॉ0 सविता मोहन एवं डॉ0 शेर सिंह बिष्ट द्वारा संपादित अद्यतन हिन्दी कविता पुस्तक,(विश्वविद्यालय प्रकाशन, उत्तराखण्ड़ संस्कृत विश्वविद्यालय) रहेगी।

इकाई 02 – साकेत प्रथम सर्ग – मैथिलीशरण गुप्त।

इकाई 03 –

- आंसू, कामायनी (श्रद्धा सर्ग) – जयशंकर प्रसाद
- परिवर्तन – सुमित्रानन्दन पंत
- मेघनन्दिनी, हेमंत प्रात – चन्द्र कुंवर बर्तवाल

इकाई 04 –

- यह दीप अकेला, उड़ चल हारिल, मुक्ति, किसने देखा चांद, बदली के बाद – अज्ञेय
- झांसी की रानी – सुभद्रा कुमारी चौहान
- लिख ही लेता हूँ मैं, शैल–समीरंण – पार्थ सारथी डबराल

सन्दर्भ ग्रंथ –

1. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. हिन्दी के आधुनिक कवि – द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
4. समकालीन हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।

बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र :– हिन्दी उपन्यास साहित्य

इकाई 01 – हिन्दी उपन्यास का उद्‌भव और विकास

इकाई 02 – कगार की आग (हिमांशु जोशी)

अथवा

पहाड़ चोर (सुभाष पंत)

उपरोक्त उपन्यासों की संवेदना और शिल्प का अध्ययन।

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी उपन्यास का विकास – मधुरेश
2. उपन्यास के पहलु – राबर्ट फ्रास्ट
3. हिन्दी उपन्यास – सं0 नामवर सिंह

बी0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र :– हिन्दी नाटक एवं एकांकी

इकाई 01 – हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास।

इकाई 02 – हिन्दी एकांकी का उद्भव एंव विकास।

इकाई 03 – नाटक – दूर का आकाश (गोविन्द चातक)

इकाई 04 – चार एकांकी (सं0 देव सिंह पोखरिया)

- दीपदान
- सूखी डाली
- बसन्त ऋतु का नाटक
- उसर

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी नाटक – बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
2. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली।
3. रंगमंच : कला और दृष्टि – गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली।

बी0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र :– हिन्दी निबन्ध एवं अन्य स्फुट गद्य विधाऐं।

इकाई 01 – हिन्दी निबन्ध का उद्भव और विकास।

इकाई 02 – निबन्धेत्तर गद्य विधाओं का उद्भव और विकास।

इकाई 03 – हिन्दी निबन्ध एवं स्फुट गद्य विधाऐं – सं0 आशा जुगरान। उक्त पाठ्य पुस्तक से प्रारंभ के सात रचनाकारों की रचनायें पाठ्यक्रम में सम्मिलित हैं।

- साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है – बालकृष्ण भट्ट।
- क्रोध – रामचन्द्र शुक्ल।
- कबीर और गांधी – पीताम्बर दत्त बडथ्वाल।
- आम फिर बौरा गये – हजारी प्रसाद द्विवेदी।
- निंदा रस – हरिशंकर परसाई।

इकाई 04–

- रेखाचित्र – लछमा – महादेवी वर्मा।
- यात्रा संस्मरण – सुनहरे त्रिकोण में तेरह दिन – हरिमोहन।

सहायक ग्रंथ –

1. प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार – हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली।
2. साहित्य में गद्य की नई विधाऐं – कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली।
3. साहित्य विधाओं की प्रकृति – देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
4. हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी।

बी0ए0 पंचम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र :– हिन्दी कहानी साहित्य।

कथा समय (कहानी संग्रह) सं0 डॉ0 सविता मोहन से निम्नलिखित आठ कहानियां पाठ्यक्रम में सम्मिलित हैं।

इकाई 01 –

- ईदगाह – प्रेमचन्द
- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद

इकाई 02 –

- जान्हवी – जैनेन्द्र कुमार
- गैंग्रीन – अज्ञेय

इकाई 03 –

- तीसरी कसम – फणेश्वर नाथ रेणु
- कोसी का घटवार – शेखर जोशी

इकाई 04 –

- कांछा – हिमांशु जोशी
- पहाड़ की सुबह – सुभाष पंत

सन्दर्भ ग्रंथ –

1. हिन्दी कहानी का विकास – मधुरेश।
2. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपाल राय।
3. हिन्दी कहानी की रचना प्रक्रिया – परमानंद श्रीवास्तव।
4. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी।

बी0ए0 पंचम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र :– प्रयोजन मूलक हिन्दी।

इकाई 01 – प्रयोजन मूलक हिन्दी : अभिप्राय, स्वरूप, क्षेत्र और विशेषतायें।

इकाई 02 – भाषा के विविध रूप : बोलचाल की भाषा, राष्ट्र भाषा, राज भाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी।

इकाई 03 – कार्यालयी हिन्दी : स्वरूप एवं विशेषतायें

- कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप।
- संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण, टिप्पण।

इकाई 04 – मीडिया लेखन और जनसंचार माध्यम

- प्रमुख जनसंचार माध्यम और उनकी विशेषतायें।
- श्रव्य–दृश्य माध्यमों की भाषा।
- सोशल मीडिया की भाषा।
- विज्ञापनों की भाषा।

सन्दर्भ ग्रंथ –

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
2. प्रयोजन मूलक हिन्दी के विविध रूप – राजेन्द्र मिश्र एवं राकेश शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली।
3. कामकाजी हिन्दी – डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया।
4. सूचना प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम – हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली।
5. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली।

बी0ए0 षष्ठ्म सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र :– जनपदीय साहित्य (गढ़वाली और कुमांउनी)।

इकाई 01 – गढ़वाली और कुमांउनी भाषा का उद्‌भव और विकास।

इकाई 02 – गढ़वाली और कुमांउनी साहित्य का उद्‌भव और विकास।

इकाई 03 – पाठ्य पुस्तक – जनपदीय भाषा साहित्य, सं0 शेर सिंह बिष्ट एवं सुरेन्द्र जोशी, अंकित प्रकाशन हल्द्वानी से निम्नलिखित रचनायें पाठ्यक्रम में सम्मिलित हैं।

- सदेई – तारादत्त गैरोला।
- प्रेमी पथिक (पूर्वार्द्ध के चौबीस छंद) – तोता कृष्ण गैरोला।
- भूम्याल (औळ)– अबोध बन्धु बहुगुणा।
- न्यो निसाब – मोहन लाल नेगी।
- को छैं तू, चौमासिक व्याव – शेरदा अनपढ़।
- कत्थ हुडुक, कत्थ गैण – चारू चन्द्र पाण्डे।
- जागर, मैती मुलुक, सौरासे करिए – देवकी महरा।
- आवौ ! एक बखत कुमाउं की जै को – चन्द्र लाल वर्मा चौधरी।

सन्दर्भ ग्रंथ –

1. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – हरिदत्त भट्ट शैलेष।
2. मध्य पहाड़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – गोविन्द चातक।
3. कुमाउंनी भाषा, साहित्य और संस्कृति –देव सिंह पोखरिया।

अथवा

प्रश्न–पत्र प्रथम – अस्मिता मूलक विमर्श।

इकाई 01 – दलित विमर्श की वैचारिकी (फुले और अम्बेड़कर)

इकाई 02 – स्त्री विमर्श : अवधारणा और आंदोलन (लिंगभेद, यौनिकता, पितृसत्ता, समलैंगिकता आदि)

इकाई 03 – आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन (जल, जंगल, जमीन और अस्मिता के प्रश्न)

इकाई 04 – पाठ्य सामग्री –

- जूठन (प्रथम भाग), ओमप्रकाश वाल्मिकी
- श्रृंखला की कड़ियां – महादेवी वर्मा से एक निबन्ध – नारीत्व का अभिशाप
- पतिव्रता, प्रेम के लिए फांसी (कविताएं) – अनामिका।
- मै किसकी औरत हूँ। – सविता सिंह

सहायक ग्रंथ –

1. गुलामगिरी – ज्योतिबा फुले
2. अम्बेडकर रचनावली – भाग 1
3. उपनिवेश में स्त्री – प्रभा खेतान
4. स्त्री अस्मिता, साहित्य और विचारधारा – सुधा सिंह
5. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र – ओमप्रकाश वाल्मिकी
6. आदिवासी अस्मिता का संकट – रमणिका गुप्ता

बी0ए0 षष्ठ्म सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र :– लोक साहित्य (पहाड़ी लोक साहित्य के सन्दर्भ में)

इकाई 01 – लोक साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताऐं।

इकाई 02 – लोक साहित्य की विधायें।

- लोकगीत : स्वरूप, विशेषताऐं एवं वर्गीकरण।
- लोकगाथा : स्वरूप, विशेषताऐं एवं वर्गीकरण।
- लोककथा : स्वरूप, विशेषताऐं एवं वर्गीकरण।

इकाई 03 – लोकनाट्य, लोकोक्तियां, मुहावरे, पहेलियां और शिशु गीत।

इकाई 04 – लोक साहित्य के संरक्षण का इतिहास और प्रमुख संरक्षणकर्ता।

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास, सोलवां भाग, राहुल सांकृत्यायन।
2. भारतीय लोक साहित्य : परम्परा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा।
3. कविता कौमुदी : ग्राम गीत – रामनरेश त्रिपाठी।
4. लोक साहित्य – कृष्णदेव उपाध्याय।
5. गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – हरिदत्त भट्ट शैलेश।

अथवा

बी0ए0 षष्ठम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र :– हिन्दी व्याकरण

इकाई 01 – हिन्दी का व्यवहारिक व्याकरण (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, कारक चिन्ह, क्रिया विशेषण, विस्मयादिबोधक आदि)

इकाई 02 –

- शब्द की परिभाषा और उसके भेद (रचना और स्रोत के आधार पर)
- शब्दगत अशुद्धियां।
- शब्द निर्माण (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास)

इकाई 03 –

- वाक्य की परिभाषा और अंग।
- वाक्य के भेद (रचना और अर्थ के आधार पर)
- वाक्य संरचना (पदक्रम, अन्विति और विराम चिन्ह)

इकाई 04 – पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थक, वाक्य के लिए एक शब्द, समरूपी भिन्नार्थक शब्द।

सन्दर्भ ग्रंथ –

1. हिन्दी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरू।
2. हिन्दी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी।
3. हिन्दी व्याकरण – एन0सी0आर0टी0।
4. हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम – रविन्द्र नाथ श्रीवास्तव।
5. हिन्दी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी।